

—: विषयसूची :—

पाचवा बोल— आलोचना	...	१
छठा बोल— आत्मनिन्दा	..	४१
सातवाँ बोल— गर्हा	..	६८
आठवाँ बोल— सामायिक	...	९३
नवा बोल— चतुर्विंशतिस्तव]	...	१०४
दसवा बोल— वन्दना	...	११५
ग्यारहवा बोल— प्रतिक्रमण	...	१३४
बारहवा बोल— कायोत्सर्ग	.	१५७
तेरहवा बोल— प्रत्याख्यान	...	१६७
चौदहवां बोल— स्तव-स्तुतिमगल	...	१८१
पन्द्रहवां बोल— कालप्रतिलेखन	...	२०३
सोलहवा बोल— प्रायश्चित्त	...	२१२
सत्तरहवां बोल— क्षमापणा	...	२२२
अठारहवा बोल— स्वाध्याय	...	२३७
उन्नीसवा बोल— वाचना	...	२४७
बीसवां बोल— प्रतिपृच्छना	...	२५६